RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
अक्टूबर
05
2024

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors
13. Index

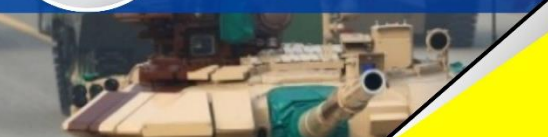

By Ankit Avasthi Sir

मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली भाषाओं को मिला शास्त्रीय भाषा का दर्जा

Marathi, Pali, Prakrit, Assamese and Bengali languages got the status of classical language

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली भाषाओं** को **शास्त्रीय भाषा** का दर्जा दिए जाने की स्वीकृति प्रदान की है। यह कदम भारत की प्राचीन **सांस्कृतिक धरोहर** को संरक्षित करने और प्रत्येक भाषा की **ऐतिहासिक व सांस्कृतिक** उपलब्धियों को मान्यता देने के उद्देश्य से उठाया गया है।

पृष्ठभूमि और विवरण:

- ✓ **शास्त्रीय भाषाओं की श्रेणी**:
  - 2004 में भारत सरकार ने **शास्त्रीय भाषाओं** की एक नई श्रेणी का निर्माण किया। **तमिल पहली भाषा** थी जिसे शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिला था।
  - **संस्कृत को 2005** में शास्त्रीय भाषा घोषित किया गया, और समय के साथ **तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, और उड़िया** भी इस सूची में शामिल हुईं।
- ✓ **मानदंड**:
  - भाषा के शुरुआती ग्रंथों या लिखित **इतिहास को 1500-2000 वर्षों** से अधिक पुराना होना चाहिए।
  - **मूल साहित्यिक परंपरा:** उस भाषा का **साहित्य मौलिक** होना चाहिए, जो किसी अन्य भाषा से उधार न लिया गया हो।
  - **भाषा का साहित्य और आधुनिक रूप:** शास्त्रीय भाषा का साहित्य वर्तमान स्वरूप से भिन्न हो सकता है, जिसमें **भाषा और उसकी शाखाओं** के बीच एक विशिष्ट अंतर हो सकता है।
- ✓ **शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त भाषाएं: तमिल (2004), संस्कृत (2005), तेलुगु (2008), कन्नड़ (2008), मलयालम (2013), उड़िया (2014)**
- ✓ **भाषा विशेषज्ञ समिति (LEC)**:
  - **नवंबर 2004 में** संस्कृति मंत्रालय द्वारा साहित्य अकादमी के तहत **भाषा विशेषज्ञ समिति (LEC)** का गठन किया गया, जो शास्त्रीय भाषा के दर्जे के लिए प्रस्तावित भाषाओं का मूल्यांकन करती है।
  - 2024 में **मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली** को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने के लिए मानदंडों को संशोधित किया गया।

कार्यान्वयन और लाभ:

- ✓ **शैक्षिक और सांस्कृतिक पहल:**
  - प्राचीन भाषाओं के अध्ययन और संरक्षण के लिए विभिन्न **केंद्रीय विश्वविद्यालय और शोध संस्थान स्थापित** किए गए हैं।
  - शास्त्रीय भाषाओं के प्रचार और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए **राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों** की व्यवस्था की गई है।
  - शास्त्रीय भाषाओं के अध्ययन के लिए उत्कृष्टता केंद्र भी स्थापित किए गए हैं, जैसे कि **मैसूर में स्थापित केंद्र।**
- ✓ **रोजगार सृजन:** शास्त्रीय भाषाओं के **संरक्षण, अनुवाद, और डिजिटलीकरण के लिए संग्रह, प्रकाशन, और शोध** के क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।
- ✓ **सांस्कृतिक प्रभाव: महाराष्ट्र, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और असम** में इन भाषाओं को शास्त्रीय दर्जा मिलने से इन राज्यों की सांस्कृतिक और शैक्षिक धरोहर को वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी।

संविधान में भाषा से संबंधित प्रावधान:

भारतीय संविधान ने भाषा के संदर्भ में कई प्रावधान किए हैं, जिनका उद्देश्य **भाषा के उपयोग, संरक्षण और संवर्धन** को सुनिश्चित करना है।

1. आठवीं अनुसूची (8th Schedule):

- ☑ आठवीं अनुसूची का **उद्देश्य हिंदी** के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देना और अन्य भाषाओं को संवर्धित करना है।
- ☑ **अनुच्छेद 344(1):** यह अनुच्छेद संघ के राजकीय प्रयोजनों के लिए हिंदी के प्रयोग के संबंध में आयोग के गठन का प्रावधान करता है, जो संविधान के प्रारंभ से **5 साल बाद स्थापित** किया जाना चाहिए।
- ☑ **अनुच्छेद 351:** इसके तहत हिंदी भाषा का **प्रचार-प्रसार और उसका विकास करना संघ** का कर्तव्य है ताकि यह भारत की सामासिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके।

2. आठवीं अनुसूची में शामिल भाषाएँ:

संविधान की आठवीं अनुसूची में वर्तमान में 22 भाषाएँ शामिल हैं: **असमिया, बांगला, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलुगु, उर्दू, बोडो, संथाली, मैथिली एवं डोगरी**

- **शुरुआती 14 भाषाएँ:** संविधान के प्रारंभ में **14 भाषाएँ** शामिल थीं।
- **सिंधी:** वर्ष **1967 (21वें संशोधन)** में जोड़ी गई।
- **कोंकणी, मणिपुरी, नेपाली:** 1992 (71वें संशोधन) में जोड़ी गईं।
- **बोडो, डोगरी, मैथिली, संथाली:** 2004 (92वें संशोधन) में जोड़ी गईं।

3. संघ की भाषा (Union Language):

- **अनुच्छेद 343:** संघ की राजभाषा **हिंदी और लिपि देवनागरी** होगी।
- **अनुच्छेद 120:** संसद में प्रयोग की जाने वाली भाषाओं से संबंधित है।
- **अनुच्छेद 210:** यह अनुच्छेद राज्यों के विधानमंडलों में भाषाओं के उपयोग के संबंध में है।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (PM-RKVY)
PM Rashtriya Krishi Vikas Yojana (PM-RKVY)

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्र सरकार **ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (PM-RKVY)** और **कृषोन्नति योजना (KY)** के तहत संचालित सभी केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) के **युक्तिकरण (Rationalization)** को मंजूरी दी है। पीएम-आरकेवीवाई **टिकाऊ कृषि को बढ़ावा** देगा, वहीं केवाई **खाद्य सुरक्षा एवं कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता** के लक्ष्य को पूरा करेगा। इस निर्णय का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में सुधार और किसानों के कल्याण को बढ़ावा देना है।

योजनाओं का उद्देश्य:

1. प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (PM-RKVY):

- इस योजना का उद्देश्य **टिकाऊ कृषि** का विकास करना है।
- इसमें राज्यों को अपनी आवश्यकताओं के अनुसार धन का **पुन: आवंटन** करने की छूट दी गई है।
- इसके तहत निम्नलिखित योजनाएं शामिल हैं:
  - **मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन**
  - **वर्षा आधारित क्षेत्र विकास**
  - **कृषि वानिकी**
  - **परम्परागत कृषि विकास योजना**
  - **फसल अवशेष प्रबंधन और कृषि यंत्रीकरण**
  - **प्रति बूंद अधिक फसल**
  - **फसल विविधीकरण कार्यक्रम**
  - **आरकेवीवाई डीपीआर घटक**
  - **कृषि स्टार्टअप के लिए त्वरक निधि**

2. कृषोन्नति योजना (KY):

- यह योजना **खाद्य सुरक्षा और कृषि में आत्मनिर्भरता** के लक्ष्य को पूरा करने पर केंद्रित है।
- इसके तहत **राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन - तेल पाम (NMEO-ओपी), स्वच्छ संयंत्र कार्यक्रम,** और **डिजिटल कृषि** जैसी योजनाएं शामिल हैं।

वित्तीय प्रावधान:

- ✓ **कुल प्रस्तावित व्यय:** ₹1,01,321.61 करोड़
  - **केंद्रीय सरकार का हिस्सा:** ₹69,088.98 करोड़
  - **राज्यों का हिस्सा:** ₹32,232.63 करोड़
  - इसमें PM-RKVY के लिए ₹57,074.72 करोड़ और KY के लिए ₹44,246.89 करोड़ शामिल हैं।

युक्तिकरण के लाभ:

- ☑ **समग्र रणनीतिक योजना:** राज्यों को एक समग्र रणनीतिक दस्तावेज तैयार करने का अवसर मिलेगा, जिसमें **उत्पादन, उत्पादकता, जलवायु के अनुकूल कृषि, और मूल्य श्रृंखला** के विकास पर ध्यान दिया जाएगा।
- ☑ **सहज योजना निर्माण:** राज्यों को अपनी **वार्षिक कार्य योजना** को एक बार में अनुमोदित करने की सुविधा मिलेगी।
- ☑ **गुणवत्ता सुधार:** राज्यों को अपनी आवश्यकताओं के अनुसार **धन आवंटन** में लचीलापन मिलेगा।

इस कदम का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में चुनौतियों जैसे **पोषण सुरक्षा, जलवायु अनुकूलता, और निजी क्षेत्र** की भागीदारी को बेहतर ढंग से निपटाना है।

राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन - तिलहन (NMEO-तिलहन)/ National Mission on Edible Oil - Oil Seeds

हाल ही में **प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी** की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन - तिलहन (NMEO-तिलहन)** को मंजूरी दी, जिसका मुख्य **उद्देश्य घरेलू तिलहन उत्पादन** को बढ़ाना और खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना है। यह मिशन **"आत्मनिर्भर भारत"** की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मिशन की **कुल लागत 10,103 करोड़ रुपये** है और इसे **2024-25 से 2030-31** तक की सात साल की अवधि में लागू किया जाएगा।

मिशन के प्रमुख उद्देश्य:

- ✓ **प्राथमिक तिलहन फसलों का उत्पादन बढ़ाना:** इसमें **रेपसीड-सरसों, मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी और तिल** जैसी प्रमुख तिलहन फसलें शामिल हैं।
- ✓ **द्वितीयक स्रोतों से खाद्य तेल उत्पादन:** कपास के **बीज, चावल की भूसी और वृक्ष जनित तेलों** से संग्रह और निष्कर्षण की दक्षता को बढ़ाने पर ध्यान दिया जाएगा।
- ✓ **तिलहन उत्पादन का लक्ष्य:** 2022-23 में **39 मिलियन टन से 2030-31 तक 69.7 मिलियन टन** तक तिलहन उत्पादन बढ़ाने का लक्ष्य है।
- ✓ **घरेलू खाद्य तेल उत्पादन:** ऑयल पाम सहित मिशन का लक्ष्य **2030-31 तक घरेलू खाद्य तेल** उत्पादन को **25.45 मिलियन टन** तक पहुंचाना है।

प्रमुख रणनीतियाँ:

- ☑ **उच्च उपज वाली बीज किस्मों को अपनाना:** उन्नत और उच्च तेल सामग्री वाली **बीज किस्मों** के उपयोग को बढ़ावा देना।
- ☑ **फसल क्षेत्र का विस्तार:** चावल की परती भूमि में **तिलहन की खेती को बढ़ावा देना और अंतर-फसल के माध्यम** से क्षेत्रफल बढ़ाना।
- ☑ **उन्नत तकनीकों का उपयोग:** तिलहन उत्पादन में सुधार के लिए **जीनोम एडिटिंग** जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाएगा।
- ☑ **बीज प्रमाणीकरण:** **'साथी' पोर्टल** के माध्यम से बीज की गुणवत्ता और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक ऑनलाइन बीज योजना शुरू की जाएगी।
- ☑ **नए बीज केंद्रों की स्थापना:** **65 नए बीज केंद्र और 50 बीज भंडारण इकाइयां** स्थापित की जाएंगी।

क्लस्टर आधारित विकास:

- **347 विशिष्ट जिलों में 600 से अधिक मूल्य श्रृंखला क्लस्टर** विकसित किए जाएंगे, जिनमें **10 लाख हेक्टेयर** से अधिक क्षेत्र शामिल होगा।
- इन क्लस्टरों में **एफपीओ, सहकारी समितियों और निजी संस्थाओं** के माध्यम से किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज, **प्रशिक्षण और तकनीकी** सहायता प्रदान की जाएगी।

पर्यावरणीय लाभ:

- ✓ **कम पानी** की आवश्यकता वाली फसलों को बढ़ावा देना।
- ✓ **मिट्टी की गुणवत्ता** में **सुधार और परती क्षेत्रों** का उत्पादक उपयोग।

पृष्ठभूमि:

- भारत वर्तमान में **खाद्य तेलों की घरेलू मांग** का **57% आयात** करता है, जिससे देश को बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ती है।
- इसे कम करने के लिए भारत सरकार ने पहले से ही **राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन - ऑयल पाम (NMEO-ओपी)** और **तिलहन किसानों** के लिए **एमएसपी बढ़ाने** जैसे कई कदम उठाए हैं।
- इस मिशन के माध्यम से **तिलहन उत्पादन** को बढ़ावा देकर **भारत खाद्य तेलों** के क्षेत्र में **आत्मनिर्भर** बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा, जिससे किसानों की आय में वृद्धि और विदेशी मुद्रा की बचत होगी।

अंतरराष्ट्रीय चिकित्सीय उपकरण नियामक मंच (IMDRF)
International Medical Device Regulatory Forum (IMDRF)

हाल ही में **भारत** के **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय** के अंतर्गत **केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO)** ने **अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सीय उपकरण नियामक मंच (IMDRF)** की संबद्ध सदस्यता प्राप्त की है।

CDSCO की IMDRF सदस्यता:

- ✓ **केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO)** ने घरेलू उद्योग की प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने और चिकित्सीय उपकरणों की नियामक प्रणाली को **वैश्विक स्तर पर संरेखित** करने के लिए **वर्ष 2024** में **अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सीय उपकरण नियामक मंच (IMDRF)** की सदस्यता के लिए आवेदन किया।
- ✓ **सितंबर 2024** में अमेरिका के सिएटल में आयोजित **IMDRF के 26वें सत्र में CDSCO** को संबद्ध सदस्यता की अनुमति प्रदान की गई।

अंतरराष्ट्रीय चिकित्सीय उपकरण नियामक मंच (IMDRF) :

- **अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सीय उपकरण नियामक मंच (IMDRF)** वर्ष **2011 में** स्थापित एक **वैश्विक चिकित्सीय उपकरण नियामकों** का समूह है।
- इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सीय उपकरण नियामकों के बीच **सहयोग और समन्वय** को प्रोत्साहित करना है।
- इसके सदस्यों में **अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ, जापान, ब्रिटेन, ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर** के नियामक प्राधिकरण और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) शामिल हैं।

अपेक्षित लाभ:

- ☑ **विश्वसनीयता और सहयोग:** भारत की IMDRF में **संबद्ध सदस्यता** से विश्वभर में नियामक प्राधिकरणों के साथ **विश्वास और सहयोग** में महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त होंगे।
- ☑ **जटिलता में कमी:** यह सदस्यता विनिर्माताओं के लिए नियामक आवश्यकताओं की **जटिलता को कम करने** में मदद करेगी और जन स्वास्थ्य की रक्षा में सहायक होगी।
- ☑ **नवाचार में समर्थन:** नए चिकित्सीय उपकरणों तक त्वरित पहुंच सुनिश्चित की जाएगी, जिससे नवाचार को प्रोत्साहित किया जाएगा।
- ☑ **सूचना का आदान-प्रदान:** भारत IMDRF के खुले सत्रों में भाग लेकर तकनीकी विषयों पर जानकारी साझा कर सकेगा और **चिकित्सीय उपकरणों** के लिए आवश्यक दस्तावेजों का आधार प्रदान कर सकेगा।

पहल का उद्देश्य:

- ✓ स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने चिकित्सीय उपकरणों के लिए **विस्तृत नियामकों** की शुरुआत की है, जिसका मुख्य उद्देश्य वैश्विक स्वीकृत मानकों के साथ भारत के नियामक ढांचे को संरेखित करना है।
- ✓ यह पहल चिकित्सीय उपकरण क्षेत्र में विकास और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए एक मजबूत नियामक इकोसिस्टम का निर्माण करेगी।

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO)

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) भारत में **औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम** के तहत केंद्र सरकार को सौंपे गए कार्यों का निर्वहन करने वाला केंद्रीय औषधि प्राधिकरण है। यह **संगठन दवा और चिकित्सा उपकरणों** के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

CDSCO की संरचना: CDSCO के नियंत्रण में निम्नलिखित कार्यालय और प्रयोगशालाएँ हैं:

- **क्षेत्रीय कार्यालय:** 6
- **उप-क्षेत्रीय कार्यालय:** 4
- **बंदरगाह कार्यालय:** 13
- **प्रयोगशालाएँ:** 7

CDSCO के प्रमुख कार्य:

- ☑ **दवाओं के आयात पर विनियामक नियंत्रण:** CDSCO दवाओं के **आयात को नियंत्रित** करता है, ताकि गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।
- ☑ **नई दवाओं और नैदानिक परीक्षणों की मंजूरी:** CDSCO नए दवाओं के **विकास और नैदानिक परीक्षणों** के लिए आवश्यक अनुमोदन प्रदान करता है, जिससे नवीनतम चिकित्सा तकनीकों का विकास संभव होता है।
- ☑ **औषधि परामर्श समिति (डीसीसी) और औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड (डीटीएबी) की बैठकें:** यह संगठन विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श करता है ताकि **औषधि नीति और नियामक मानकों** को बेहतर बनाया जा सके।
- ☑ **केंद्रीय लाइसेंस अनुमोदन प्राधिकरण:** CDSCO मुख्यालय द्वारा कुछ **लाइसेंसों की मंजूरी** का कार्य भी किया जाता है, जो कि औषधि उद्योग के लिए अनिवार्य है।

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता हब / International Energy Efficiency Hub

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **'आशय पत्र'** पर हस्ताक्षर करने को मंजूरी दी है, जिससे **भारत अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा** दक्षता हब में शामिल हो सकेगा।

भारत का उद्देश्य:

- ✓ भारत का यह कदम **सतत विकास** के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है और **ग्रीनहाउस गैसों** के **उत्सर्जन** में कमी लाने के प्रयासों के अनुरूप है।
- ✓ यह पहल दुनिया भर में सहयोग को बढ़ावा देने और **ऊर्जा दक्षता को प्रोत्साहित** करने के लिए समर्पित **एक वैश्विक मंच** का हिस्सा बनने का अवसर प्रदान करती है।

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता हब:

- **स्थापना:** ऊर्जा दक्षता सहयोग के लिए **अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी (आईपीईईसी)** के उत्तराधिकारी के रूप में **2020** में स्थापित।
- **उद्देश्य:** यह हब सरकारों, **अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और निजी क्षेत्र** की संस्थाओं को **ज्ञान, सर्वोत्तम पद्धतियों और नवोन्मेषी समाधानों** को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।
- **सदस्य देश:** जुलाई 2024 तक, इसमें **16 देश** शामिल हो चुके हैं, जिनमें **अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, डेनमार्क, यूरोपीय आयोग, फ्रांस, जर्मनी, जापान, कोरिया, लक्जमबर्ग, रूस, सऊदी अरब, अमेरिका और ब्रिटेन** शामिल हैं।

भारत को मिलने वाले लाभ:

- **विशेषज्ञता का आदान-प्रदान:** भारत अपनी विशेषज्ञता साझा कर सकेगा और **सर्वोत्तम अंतर्राष्ट्रीय पद्धतियों** से सीखने के अवसर प्राप्त करेगा।
- **जागरूकता और सहयोग:** यह **हब ऊर्जा-दक्ष प्रौद्योगिकियों और पद्धतियों** को बढ़ावा देकर जलवायु परिवर्तन से निपटने के वैश्विक प्रयासों में योगदान करेगा।

कार्यान्वयन एजेंसी: **ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE)** को भारत की ओर से इस हब के लिए कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में नामित किया गया है। BEE इस हब की गतिविधियों में भारत की भागीदारी को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिससे भारत का योगदान **राष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता लक्ष्यों** के अनुरूप होगा।

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE) के बारे में :

- ☑ भारत सरकार ने **ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE)** की स्थापना **1 मार्च 2002** को **ऊर्जा संरक्षण अधिनियम, 2001** के प्रावधानों के तहत की।
- ☑ BEE का मिशन ऊर्जा के समग्र ढांचे के भीतर **स्व-विनियमन और बाजार सिद्धांतों** पर जोर देने के साथ **नीतियों और रणनीतियों** को विकसित करने में सहायता करना है।
- ☑ इसका **प्राथमिक उद्देश्य 2001** की समग्र रूपरेखा के भीतर **भारतीय अर्थव्यवस्था** की ऊर्जा तीव्रता को कम करना है।

निष्कर्ष: भारत का ऊर्जा दक्षता हब में शामिल होना एक महत्वपूर्ण कदम है, जो देश को अधिक टिकाऊ भविष्य की दिशा में बढ़ने में मदद करेगा। इस वैश्विक मंच में भागीदारी से भारत को कम कार्बन वाली अर्थव्यवस्था की दिशा में गति मिलेगी और ऊर्जा सुरक्षा में सुधार होगा।

BEE की भूमिका:

BEE ऊर्जा संरक्षण अधिनियम द्वारा और उसके तहत ब्यूरो को सौंपे गए कार्यों को करने में मौजूदा संसाधनों और बुनियादी ढांचे को पहचानने और उपयोग करने के लिए **ऊर्जा संरक्षण/दक्षता** के क्षेत्र में काम कर रही नामित **एजेंसियों, नामित उपभोक्ताओं और अन्य संगठनों** के साथ समन्वय करता है। ऊर्जा संरक्षण अधिनियम विनियामक और प्रचारात्मक कार्य उपलब्ध कराता है।

BEE की प्रमुख कार्यप्रणालियाँ:

- ☑ **जागरूकता पैदा करना:** **ऊर्जा दक्षता और संरक्षण** के बारे में जागरूकता फैलाना और सूचना का प्रसार करना।
- ☑ **प्रशिक्षण की व्यवस्था:** ऊर्जा के दक्ष उपयोग और इसके संरक्षण के लिए तकनीकों में **कर्मियों और विशेषज्ञों** के प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।
- ☑ **परामर्श सेवाएँ:** ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में **परामर्श सेवाओं** को सुदृढ़ करना।
- ☑ **अनुसंधान और विकास:** अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना।
- ☑ **परीक्षण और प्रमाणन:** परीक्षण और **प्रमाणन प्रक्रियाओं** का विकास करना और परीक्षण सुविधाओं को बढ़ावा देना।
- ☑ **पायलट परियोजनाएँ:** **पायलट परियोजनाओं और निष्पादन परियोजनाओं** को तैयार करना और उनके कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाना।
- ☑ **उपकरणों का उपयोग बढ़ाना:** **ऊर्जा दक्ष प्रक्रियाओं, उपकरणों, उपकरणों और प्रणालियों** के उपयोग को बढ़ावा देना।
- ☑ **प्रोत्साहन कार्यक्रम:** ऊर्जा दक्ष उपकरणों के उपयोग के लिए **प्राथमिकता के आधार पर प्रोत्साहित** करने के लिए कदम उठाना।

सस्त्र रामानुजन पुरस्कार 2024 / SASTRA Ramanujan Prize 2024

हाल ही में **2024 का सस्त्र रामानुजन पुरस्कार जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी**, अमेरिका के **अलेक्जेंडर डन** को प्रदान किया गया है।

अलेक्जेंडर डन के योगदान: डन ने गणित के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष रूप से निम्नलिखित विषयों में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है:

- **मॉड्यूलर फॉर्म**
- **हाफ-इंटीग्रल वेट फॉर्म**
- **मेटाप्लेक्टिक फॉर्म**
- **अभाज्य संख्याओं और पूर्णांक विभाजनों** के साथ उनके संबंधों का अध्ययन

सस्त्र रामानुजन पुरस्कार के बारे में:

- ✓ **स्थापना:** इस पुरस्कार की स्थापना **वर्ष 2005** में की गई थी।
- ✓ **दायित्व:** इसे **शनमुघा कला, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान अकादमी (SASTRA) विश्वविद्यालय,** तमिलनाडु द्वारा प्रदान किया जाता है।
- ✓ **पुरस्कार राशि:** पुरस्कार के साथ **10,000 अमेरिकी डॉलर** की नकद राशि प्रदान की जाती है।
- ✓ **उम्र सीमा:** यह पुरस्कार प्रत्येक **वर्ष 32 वर्ष या उससे कम आयु** के गणितज्ञों को उनके असाधारण योगदान के लिए दिया जाता है, जो विशेष रूप से **श्रीनिवास रामानुजन** के कार्य से प्रेरित होते हैं।

श्रीनिवास रामानुजन: जीवन और गणित में योगदान

- **जन्म और प्रारंभिक जीवन:** श्रीनिवास रामानुजन का जन्म **22 दिसंबर, 1887** को तमिलनाडु के **इरोड (मद्रास प्रेसीडेंसी)** में हुआ था। उनका निधन **26 अप्रैल, 1920** को मात्र 32 वर्ष की आयु में **कुंभकोणम** में हुआ। रामानुजन ने बहुत कम उम्र में ही गणित के प्रति अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मात्र **12 वर्ष** की आयु में उन्होंने त्रिकोणमिति में महारत हासिल कर ली थी।
- **शिक्षा:** वर्ष **1903** में रामानुजन ने **मद्रास विश्वविद्यालय** की एक छात्रवृत्ति प्राप्त की, लेकिन अगले ही वर्ष यह छात्रवृत्ति वापस ले ली गई, क्योंकि वे अन्य विषयों की तुलना में गणित पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे थे। वर्ष **1913** में, उन्होंने ब्रिटिश गणितज्ञ **गॉडफ्रे एच. हार्डी** के साथ पत्र-व्यवहार शुरू किया, जिसके परिणामस्वरूप वे **ट्रिनिटी कॉलेज, कैम्ब्रिज** चले गए।
- वर्ष **1918** में उन्हें लंदन की **रॉयल सोसाइटी** के लिए चुना गया, और वे ब्रिटेन की रॉयल सोसाइटी के सबसे कम उम्र के सदस्यों में से एक बने। वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के ट्रिनिटी कॉलेज के फेलो चुने जाने वाले पहले भारतीय थे।

श्रीनिवास रामानुजन का गणित में योगदान:

- ☑ **सूत्र और समीकरण:** रामानुजन ने अपने अल्प जीवनकाल में लगभग **3,900** परिणाम **(समीकरणों और सर्वसमिकाओं)** का संकलन किया। उनके सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में **पाई (π)** की अनंत श्रेणी शामिल थी, जिसमें उन्होंने पाई के अंकों की गणना के लिए कई **अद्वितीय सूत्र** प्रदान किए, जो पारंपरिक तरीकों से भिन्न थे।
- ☑ **खेल सिद्धांत:** रामानुजन ने कई चुनौतीपूर्ण **गणितीय समस्याओं** को हल करने के लिए नवीन विचार प्रस्तुत किए, जिसने **खेल सिद्धांत** के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके योगदान को गणित के क्षेत्र में विशेष रूप से मान्यता प्राप्त है।
- ☑ **रामानुजन की पुस्तकें:** **1976** में, गणितज्ञ **जॉर्ज एंड्रयूज** ने ट्रिनिटी कॉलेज की लाइब्रेरी में रामानुजन की एक नोटबुक की खोज की। इस नोटबुक को बाद में एक पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया गया।
- ☑ **रामानुजन संख्या:** गणित में रामानुजन का सबसे बड़ा योगदान **रामानुजन संख्या (1729)** को माना जाता है। यह सबसे छोटी संख्या है जिसे दो अलग-अलग तरीकों से दो घनों के योग के रूप में लिखा जा सकता है।

लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक (LDB)
Logistics Data Bank (LDB)

एनआईसीडीसी लॉजिस्टिक्स डेटा सर्विसेज लिमिटेड (NLDSL) के अंतर्गत **लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक (LDB)** ने **75 मिलियन** से अधिक **एक्जिम कंटेनरों** को सफलतापूर्वक ट्रैक करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह भारत के **लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम** को **डिजिटलीकरण** के माध्यम से अधिक दक्ष और पारदर्शी बनाने में LDB की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।

LDB के बारे में:

- ✓ **लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक (LDB) परियोजना** वर्तमान में भारत के **18 बंदरगाहों** पर सक्रिय है, जिसमें **30 टर्मिनल** शामिल हैं जो **100 प्रतिशत कंटेनर** यातायात को संभालते हैं।
- ✓ इस प्रणाली के अंतर्गत लगभग **435 से अधिक कंटेनर फ्रेट स्टेशन (सीएफएस)**, अंतर्देशीय कंटेनर डिपो **(आईसीडी)**, खाली यार्ड **(ईवाई)**, पार्किंग प्लाजा **(पीपी)**, लगभग **183 टोल प्लाजा**, 3 एकीकृत चेक पोस्ट **(आईसीपी)**, 11 औद्योगिक क्षेत्र, और **88 विनिर्माण विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड)** शामिल हैं।
- ✓ ये सभी तत्व भारत के **लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम** की दक्षता और पारदर्शिता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

LDB की प्रमुख विशेषताएँ:

- ☑ **सिंगल विंडो कंटेनर लॉजिस्टिक्स विज़ुअलाइज़ेशन सिस्टम:** LDB, कंटेनर नंबरों का उपयोग करके, **बंदरगाहों** से लेकर **अंतर्देशीय कंटेनर डिपो (आईसीडी), कंटेनर फ्रेट स्टेशन (सीएफएस), रेलवे स्टेशन, टोल प्लाजा और औद्योगिक गलियारों** तक के कंटेनरों की व्यापक ट्रैकिंग करता है।
- ☑ **उपलब्धियाँ:** अब तक, LDB ने **75 मिलियन** से अधिक कंटेनरों को ट्रैक किया है। **प्रति माह 45 लाख से** अधिक **अद्वितीय कंटेनर** खोजे जाते हैं, जो **सिस्टम की उच्च उपयोगिता** और इसे व्यापार समुदाय द्वारा अपनाए जाने का प्रमाण है।
- ☑ **वर्ल्ड बैंक की रैंकिंग में सुधार:** वर्ल्ड बैंक के **लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स (एलपीआई)** में भारत की रैंकिंग में सुधार के लिए LDB का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। भारत की रैंकिंग **2018 में 44वें स्थान से 2023 में 38वें स्थान** पर पहुँच गई।
- ☑ **डेटा एनालिटिक्स और रिपोर्ट:** कंटेनर ट्रैकिंग के अलावा, **LDB ड्वेल टाइम, पारगमन समय, और विभिन्न बंदरगाहों व टर्मिनलों के तुलनात्मक प्रदर्शन** पर आधारित एनालिटिक्स रिपोर्ट भी प्रकाशित करता है, जिससे लॉजिस्टिक्स दक्षता बढ़ाने में मदद मिलती है।

RBI ने MIBOR बेंचमार्क पर समिति की रिपोर्ट जारी की
RBI releases report of the committee on MIBOR benchmark

हाल ही में, **भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)** ने **मुंबई इंटरबैंक आउटराइट रेट (MIBOR)** की गणना के लिए कार्यप्रणाली में महत्वपूर्ण बदलावों की सिफारिश की है। इस रिपोर्ट में व्यापक रूप से प्रयुक्त डेरिवेटिव उत्पादों के लिए एक नए सुरक्षित मुद्रा बाजार बेंचमार्क के परिवर्तन का प्रस्ताव भी शामिल है।

MIBOR क्या है?

- ✓ **परिभाषा:** MIBOR एक ब्याज दर बेंचमार्क है, जिसे पहली बार **1998** में **नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई)** द्वारा प्रस्तुत किया गया था। यह दर उन असुरक्षित निधियों के लिए है, जिन्हें बैंक **भारतीय अंतरबैंक बाजार में** एक-दूसरे से उधार लेते हैं।
- ✓ **गणना:** इसकी **गणना और प्रकाशन दैनिक** आधार पर **फाइनेंशियल बेंचमार्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एफबीआईएल)** द्वारा किया जाता है।
- ✓ **वर्तमान पद्धति:** वर्तमान में, इसे पहले घंटे में **नेगोशिएटेड डीलिंग सिस्टम (एनडीएस-कॉल सिस्टम)** पर निष्पादित ट्रेडों के आधार पर गणना किया जाता है।

वर्तमान MIBOR से संबंधित मुद्दे:

- कॉल लेनदेन की सीमित मात्रा **(दैनिक मुद्रा बाजार मात्रा का केवल 1%)** के कारण, कॉल मुद्रा बाजार की कम मात्रा के कारण MIBOR में अस्थिरता की संभावना बनी रहती है।

समिति की प्रमुख सिफारिशें:

1. **गणना पद्धति में परिवर्तन**:
   - MIBOR की गणना पद्धति में बदलाव करते हुए, **पहले घंटे** के स्थान पर पहले **तीन घंटों** के आधार पर लेनदेन को शामिल किया जाएगा। इससे MIBOR को कॉल मनी बाजार में लेनदेन का अधिक प्रतिनिधि बनाया जा सकेगा और इसकी **विश्वसनीयता** में संभावित वृद्धि हो सकेगी।
2. **सुरक्षित मुद्रा बाजार पर आधारित बेंचमार्क**:
   - एफबीआईएल बास्केट रेपो और **ट्राई-पार्टी रेपो (टीआरईपी)** खंडों के **पहले तीन घंटों में ट्रेडों** से गणना करके सुरक्षित मुद्रा बाजार पर आधारित एक नया बेंचमार्क विकसित और प्रकाशित करेगा।
   - **टीआरईपी:** यह एक प्रकार का रेपो अनुबंध है, जिसमें एक **तीसरी इकाई, लेन-देन** के दौरान सं**पार्श्विक चयन, भुगतान और निपटान, अभिरक्षा और प्रबंधन** जैसी सेवाओं को सुविधाजनक बनाने के लिए रेपो के दो पक्षों के बीच **मध्यस्थ** के रूप में कार्य करती है।

आकाशतीर वायु रक्षा प्रणाली
Akashteer Air Defense System

हाल ही **में वैश्विक सुरक्षा चिंताओं** के बीच, **भारतीय सेना** ने **100 आकाशतीर वायु रक्षा प्रणालियों** के अधिग्रहण के साथ अपनी वायु रक्षा क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया है। ये प्रणालियाँ, जो **भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल)** द्वारा विकसित की गई हैं, **मिसाइल और रॉकेट हमलों** सहित विभिन्न हवाई खतरों से देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

स्वदेशी रक्षा विनिर्माण :

- ✓ **100 आकाशतीर प्रणालियों** के अधिग्रहण की प्रक्रिया **मार्च 2023** में शुरू हुई, जब रक्षा मंत्रालय ने बीईएल को इनके उत्पादन के लिए अनुबंधित किया। यह लगभग **2,000 करोड़ रुपये** का अनुबंध स्वदेशीकरण और देश की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिए भारत के व्यापक प्रयास का एक हिस्सा है।
- ✓ मार्च 2024 में, बीईएल ने भारतीय सेना को पहली आकाशतीर प्रणाली सौंपी, और **30 सितंबर, 2024 तक सभी 100 इकाइयाँ** सफलतापूर्वक सौंप दी गईं।
- ✓ यह तीव्र तैनाती भारतीय सेना की **आर्मी एयर डिफेंस (एएडी) कोर** के साथ मिलकर समय पर महत्वपूर्ण रक्षा प्रणालियाँ प्रदान करने की बीईएल की रणनीतिक क्षमता को दर्शाती है।

आकाशतीर प्रणाली की विशेषताएँ:

- आकाशतीर प्रणाली केवल एक वायु रक्षा प्रणाली नहीं है; यह एक **उन्नत और एकीकृत नियंत्रण एवं रिपोर्टिंग प्रणाली** है, जिसे दुश्मन के खतरों को तेजी से बेअसर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- यह प्रणाली सेना के लिए वायु रक्षा के सभी पहलुओं का प्रबंधन करने में सक्षम है, जिसमें कई **रडार सिस्टम, सेंसर और संचार तकनीकों** को एकीकृत किया गया है।
- आकाशतीर प्रणाली वास्तविक समय में युद्ध के मैदान का दृश्य प्रदान करती है, जिससे **सैन्य कर्मियों को हवाई खतरों** का पता लगाने, उन्हें ट्रैक करने और उनसे निपटने में मदद मिलती है।
- इससे भारतीय सेना की **हवाई क्षेत्र की निगरानी** करने और किसी भी आसन्न खतरे पर समय पर प्रतिक्रिया देने की क्षमता बढ़ जाती है।

राष्ट्रीय सुरक्षा संदर्भ में महत्व:

- ☑ भारतीय सेना की रक्षा संरचना में **100 आकाशतीर प्रणालियों का एकीकरण** महत्वपूर्ण है, विशेषकर उभरते वैश्विक खतरों के संदर्भ में।
- ☑ हाल के इज़राइल में हुए मिसाइल हमलों ने **उन्नत और उच्च गति वाले मिसाइल खतरों** के खिलाफ मजबूत वायु रक्षा प्रणालियों की आवश्यकता को उजागर किया है।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना
Prime Minister's Internship Scheme

हाल ही में **प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना** का शुभारंभ किया गया, जिसकी घोषणा केंद्रीय वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण के दौरान की थी।

पीएम इंटर्नशिप योजना के बारे में:

- ✓ **उद्देश्य:** इस योजना का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में भारत के शीर्ष **500 कंपनियों** में **एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप** के अवसर प्रदान करना है।
- ✓ **कौशल विकास:** यह योजना युवाओं को वास्तविक दुनिया के कारोबारी वातावरण से परिचित कराकर उनकी **रोजगार क्षमता को बढ़ाएगी**, जिससे भारत में **कौशल अंतर को पाटने और सतत विकास** को बढ़ावा मिलेगा।
- ✓ **पायलट परियोजना का क्रियान्वयन:** यह योजना **कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (MCA)** द्वारा प्रबंधित एक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से लागू की जाएगी।
- ✓ **इंटर्नशिप अवधि:** इंटर्नशिप की **अवधि एक वर्ष** होगी।

पायलट प्रोजेक्ट की जानकारी:

- **लागत:** पायलट प्रोजेक्ट की **कुल लागत 800 करोड़ रुपये** होगी।
- **स्थल:** यह योजना **गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तराखंड और तेलंगाना** के सात जिलों में शुरू की जाएगी।
- **उद्देश्य:** सरकार का लक्ष्य वित्तीय **वर्ष 2024-25 के दौरान 1.25 लाख इंटर्नशिप** के अवसर प्रदान करना है।
- **पोर्टल:** योजना को **ऑनलाइन पोर्टल pminternship.mca.gov.in** के माध्यम से लागू किया जाएगा।

आर्थिक सहायता:

- ☑ **मासिक वजीफा:** केंद्र सरकार द्वारा **प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT)** के माध्यम से प्रशिक्षुओं को **4,500 रुपये** का मासिक वजीफा प्रदान किया जाएगा।
- ☑ **अतिरिक्त राशि:** कंपनी के **कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) फंड** से **500 रुपये** की अतिरिक्त राशि भी दी जाएगी।
- ☑ **एकमुश्त अनुदान:** शामिल होने पर **6,000 रुपये** का एकमुश्त अनुदान और **प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना** के तहत बीमा कवरेज भी प्रदान किया जाएगा।
- ☑ **विशेष संस्थान:** **आईआईटी, आईआईएम या आईआईएसईआर** जैसे प्रमुख संस्थानों से स्नातक होने वाले और जिनके पास **सीए या सीएमए** योग्यता है, वे इस इंटर्नशिप के लिए आवेदन करने के पात्र नहीं होंगे।

वायकोम सत्याग्रह
Vaikom Satyagraha

हाल ही में **तमिलनाडु सरकार** ने **केरल** के **अलपुझा** के **अरुकुट्टी** में समाज सुधारक **पेरियार ईवी रामासामी** के **स्मारक** के **निर्माण** के लिए अनुमति दी है। यह स्मारक वायकोम सत्याग्रह से जुड़ी महत्वपूर्ण घटनाओं को स्मरण करेगा।

वायकोम सत्याग्रह (Vaikom Satyagraha) का परिचय:

- ✓ **अवधि:** 1924-1925
- ✓ **स्थान:** **त्रावणकोर रियासत का भाग, वैकोम, केरल**
- ✓ **प्रमुख उद्देश्य:** यह एक सामाजिक सुधार आंदोलन था, जिसका मुख्य लक्ष्य **भारत में मंदिर प्रवेश** के अधिकार की मांग करना था।

पृष्ठभूमि:

- **मंदिर का प्रतिबंध:** **वैकोम महादेव मंदिर** का केंद्र दलितों के लिए बंद था। उन्हें न केवल मंदिर में प्रवेश से रोका गया, बल्कि मंदिर को घेरने वाली सड़क का उपयोग करने की अनुमति भी नहीं दी गई।
- **याचिका:** 1923 में काकीनाडा में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की बैठक में **टी. के. माधवन, सरदार पणिक्कर, और के.पी. केशव मेनन** ने त्रावणकोर विधान परिषद में एक याचिका प्रस्तुत की। इस याचिका में **जाति, पंथ, और समुदाय** के भेदभाव के बिना सभी वर्गों को मंदिर में प्रवेश और देवताओं की पूजा का अधिकार देने की मांग की गई।
- **अधिकारी का इनकार:** **के. केलप्पन** जैसे नेताओं द्वारा किए गए प्रयासों के बावजूद, मंदिर अधिकारियों ने सभी को सड़क का उपयोग करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया।

सत्याग्रह का आरंभ:

- ☑ **नेतृत्व:** सत्याग्रह का नेतृत्व के. **केलप्पन, टीके माधवन, और केपी केशव मेनन** जैसे प्रमुख नेताओं ने किया।
- ☑ **युवाओं की भागीदारी:** केरल के विभिन्न हिस्सों से **युवा स्वयंसेवक अस्पृश्यता** के खिलाफ लड़ने के लिए सत्याग्रह में शामिल हुए।
- ☑ **महात्मा गांधी का समर्थन:** महात्मा गांधी ने बिना शर्त इस आंदोलन का समर्थन किया और **1925 में वैकोम** का दौरा किया।

आंदोलन की प्रगति:

- ☑ **पेरियार का योगदान:** जब कई नेताओं को जेल में डाल दिया गया, तो **पेरियार ईवी रामासामी** ने **13 अप्रैल 1924** को वैकोम पहुंचकर आंदोलन को महत्वपूर्ण नेतृत्व प्रदान किया।
- ☑ **समर्थन:** **श्री नारायण गुरु** ने भी **वायकोम सत्याग्रह** को अपना समर्थन और सहयोग दिया।

साइबर गुलामी
Cyber slavery

दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में भारतीय प्रवासी अब एक नए प्रकार के जाल में फंस रहे हैं, जिसे **'साइबर गुलामी (Cyber slavery)'** कहा जा रहा है। यह समस्या तब बढ़ी है जब भारतीयों को **उच्च वेतन वाली नौकरियों** का झांसा देकर अवैध रूप से बंधक बनाया जा रहा है और उनसे साइबर धोखाधड़ी करवाई जा रही है।

साइबर गुलामी क्या है?

- ✓ **परिभाषा:** साइबर गुलामी शोषण का एक आधुनिक रूप है, जिसमें व्यक्तियों को अवैध रूप से बंधक बनाकर **साइबर धोखाधड़ी** में शामिल होने के लिए मजबूर किया जाता है।

- ✓ **शोषण प्रक्रिया:**
  - **उच्च वेतन** वाले **डेटा एंट्री पदों** का लालच देकर लोगों को दक्षिण **पूर्व एशियाई देशों** में ले जाया जाता है।
  - इन व्यक्तियों को **क्रिप्टोकरेंसी ऐप्स या धोखाधड़ी** वाली निवेश योजनाओं में निवेश करने के लिए मजबूर किया जाता है, जिसमें हिंसा की धमकी दी जाती है।
  - **arrival के बाद**, उनके पासपोर्ट जब्त कर लिए जाते हैं और उन्हें नकली **सोशल मीडिया प्रोफाइल** बनाने के लिए मजबूर किया जाता है।

समस्या की गंभीरता:

- ✓ **संचार का ठप होना:** एक बार जब व्यक्ति निवेश कर देता है, तो सभी संचार **अचानक समाप्त या अवरुद्ध** कर दिए जाते हैं।
- ✓ **मिसिंग व्यक्तियों की संख्या:** **पंजाब, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश (2,946), केरल (2,659), दिल्ली (2,140), गुजरात (2,068) और हरियाणा (1,928)** से बड़ी संख्या में लोग लापता हैं।

सरकारी प्रयास: भारत सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए एक अंतर-मंत्रालयी पैनल का गठन किया है, जिसने निम्नलिखित सिफारिशें की हैं:

- ☑ **डिस्कनेक्ट किए जाने वाले मोबाइल कनेक्शन:** केंद्रीय दूरसंचार मंत्रालय ने लगभग **2.17 करोड़ मोबाइल कनेक्शनों** को डिस्कनेक्ट करने की योजना बनाई है।
- ☑ **स्पूफ्ड कॉल ब्लॉकिंग:** **दूरसंचार विभाग (DoT)** ने सभी इनकमिंग **अंतर्राष्ट्रीय स्पूफ्ड कॉल** को ब्लॉक करने का निर्देश दिया है, जो इस वर्ष **31 दिसंबर** तक लागू होगा।
- ☑ **रोमिंग नंबर की पहचान:** DoT दक्षिण पूर्व एशिया में घोटाले में **संलिप्त रोमिंग फोन नंबरों** की पहचान कर रहा है। इसके लिए सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को **हांगकांग, कंबोडिया, लाओस, फिलीपींस और म्यांमार** में रोमिंग सुविधाओं का उपयोग करने वाले **भारतीय मोबाइल नंबरों** के बारे में डेटा प्रदान करने का निर्देश दिया गया है।

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,

Stenographer (Grades C & D)

Only at

99/-Year

Enroll Now !

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

2024

GA FOUNDATION

RECORDED BATCH

Subject

- HISTORY ,POLITY
- GEOGRAPHY
- ECONOMICS

Price

1499/-

Validity
1 Year

By Ankit Avasthi Sir

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

RRB NTPC

TEST SERIES

- 100+ Mock Test
- 78 Sectional Test
- 40+ years PYPs
- 60+ Current affairs

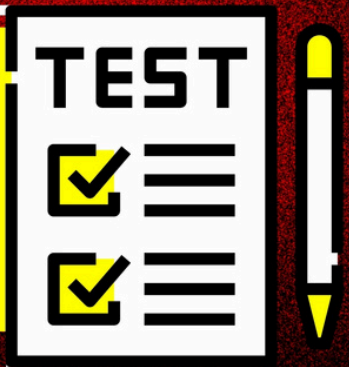

Only 99 Per Year

Buy Now